>

Title: Need to curb rampant sand mining in Narayani river in district Maharajganj in Uttar Pradesh.

श्री हर्ष वर्धन (महाराजगंज, उ.पू.): उत्तर पूदेश के जनपद महाराजगंज स्थित सोहगीबरवां वन पूभाग अंतर्गत निचलौल उप खण्ड के अर्जुनही जंगल का दो सौ एकड़ का भू-भाग पिछले 2-3 वर्षों में नारायणी नदी में विलीन हो चुका है। अर्जुनही वन, ग्राम सभा कलभिसवां एवं भेडियारी से सटा हुआ है। इस अपार राष्ट्रीय संपदा के क्षति का एक मातू कारण ग्राम सनभिसवा में हो रहा बालू का अवैध खनन है। एक एकड़ क्षेतू में बालू उत्खनन का पट्टा पूदान कर पचासों एकड़ में किए गए बालू उत्खनन से नदी की धारा के मुड़ने का मार्ग पूशस्त हुआ, जिसके फलस्वरूप जंगल का नदी में लगातार कटान हो रहा है। यह स्थिति पर्यावरण की दृष्टि से जंगल और क्षेतूीय परिस्थितिकीय जीव-जंतुओं के लिए काफी खतरनाक है।

मेरी सुनिश्चित जानकारी के अनुसार इस पूकरण की जानकारी स्थानीय स्तर से पूदेश एवं केन्दू को नहीं भेजी गई। आवश्यकता इस बात की है कि जंगल की जमीन के कटान के आंकलन हेतु एक केन्दूीय दल मौके पर भेज कर जांच कराया जाए जिससे यह पता चल सके कि इस क्षेतू में कितने एकड़ जंगल की भूमि का कटान हुआ है। संबंधित जांच कमेटी को यह निर्देश दिया जाना सुनिश्चित करें कि जांच के समय मुझे भी सूचित करें ताकि मौके पर रह सकूं।

मेरी मांग है कि मेरे संसदीय क्षेतू में उक्त स्थान पर अवैध रूप से बालू के उत्खनन पर अविलंब रोक लगाने हेतु आवश्यक कदम उठाया जाए जिससे जंगल की सैकड़ों एकड़ जमीन का नदी द्वारा लगातार हो रहे कटाव को रोका जा सके।